www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती
SB NEWS
RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 राजद प्रवक्ताओं का टीवी डिबेट्स में व्यवहार... 3 खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे अभियुक्त को... 4 जीएसटी सलैब में संशोधन करके देश की...

वर्ष: 9 | अंक: 330 | दिल्ली, मंगलवार, 23 सितम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी कटौती का लाभ जनता को मिल रहा या नहीं, जानने बाजार पहुंचे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

बिहार (एजेन्सी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जीएसटी बचत उत्सव के मौके पर आमजनों से मिलने के लिए पहुंचे। 22 सितंबर से टैक्स स्लैब में हुए बदलाव के बाद उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री सम्राट चौधरी राजधानी पटना के दुकानों और मोटरसाइकिल शोरूमों में पहुंचे। श्री चौधरी यहां यह जानने के लिए पहुंचे कि जीएसटी दरों में आई कटौती से आम उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है या नहीं। श्रीकृष्णा पुरी स्थित सुपर स्टोर में उन्होंने स्टोर मैनेजर से बातचीत कर मूल्य में आई कमी और खरीदारी पर पड़े असर की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्योहारों से पहले देशवासियों को बड़ा तोहफा दिया है। जीएसटी की नई दरों से रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती हुई हैं, वहीं मोटरसाइकिल खरीद पर 6 हजार से लेकर 13 हजार रुपये तक का सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की कि वे इस राहत का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएं। श्री चौधरी ने कहा- कांग्रेस ने हमेशा देश को लूटने का काम किया और आम आदमी को कभी फायदा नहीं पहुंचाया। इसके विपरीत मोदी सरकार लगातार आम आदमी को, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को सुविधाएं दे रही है।

भोपाल में नवरात्रि के लिए 2 अक्टूबर तक मांस, मछली, अंडे की बिक्री पर प्रतिबंध

मध्य प्रदेश (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश के भोपाल में प्रशासन ने नवरात्रि के दौरान मांस, मछली और अंडों की बिक्री पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह प्रतिबंध 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक लागू रहेगा। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, भोपाल की अनुविभागीय मजिस्ट्रेट दिव्या पटेल ने बताया, "नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू होगी। इसे देखते हुए, शहर में 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मांस, मछली और अंडों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस बीच, गुरुग्राम में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर नवरात्रि के दौरान सभी मांस-मछली की दुकानें बंद करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों के पास की दुकानें श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाती हैं और नागरिकों को असुविधा होती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

संजना भारती/पीआईबी

अरुणाचल प्रदेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उन्होंने सर्वशक्तिमान डोनयी पोलो के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सभी पर कृपा की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हेलीपैड से मैदान तक की यात्रा, मार्ग में अनगिनत लोगों से मिलना और बच्चों व युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज थामे देखना, इन सभी ने तथा अरुणाचल प्रदेश के गर्मजोशी भरे आतिथ्य ने मुझे गौरवान्वित कर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अरुणाचल न केवल उगते सूरज की धरती है, बल्कि देशभक्ति की भी भूमि है। जिस तरह राष्ट्रीय ध्वज का पहला रंग केसरिया होता है, उसी तरह अरुणाचल की आत्मा भी केसरिया रंग से आरंभ होती है। श्री मोदी ने कहा कि अरुणाचल का हर व्यक्ति वीरता और सादगी का प्रतीक है। उन्होंने राज्य के प्रति अपना गहरा लगाव प्रदर्शित करते हुए कहा कि हर यात्रा उन्हें अपार प्रसन्नता देती है और लोगों के साथ बिताया हर पल यादगार होता है। उन्होंने अपने प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह को एक बड़ा सम्मान बताया। प्रधानमंत्री ने इस पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा, "तवांग मठ से लेकर नामसाई के गोल्डन पैगोडा तक, अरुणाचल प्रदेश शांति और संस्कृति के संगम का प्रतिनिधित्व करता है।" उन्होंने इस पवित्र भूमि को भारत माता का गौरव बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में भाग लेते हुए। (स्त्रोतः पीआईबी)

प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश की अपनी यात्रा को तीन अलग-अलग कारणों से विशिष्ट बताते हुए कहा कि पहला, नवरात्रि के पावन प्रथम दिन उन्हें सुंदर पर्वत श्रृंखलाओं के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि इस दिन भक्त हिमालय की पुत्री मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं। दूसरा, उन्होंने देश भर में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने और जीएसटी बचत महोत्सव के शुभारंभ की घोषणा की। श्री मोदी ने कहा कि त्योहारों के मौसम में नागरिकों को दोहरा लाभ मिला है। तीसरा, उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में बिजली, कनेक्टिविटी, पर्यटन और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केंद्र और राज्य सरकारों के दोहरे लाभ को दशार्ता है और उन्होंने इन परियोजनाओं के लिए अरुणाचल प्रदेश के लोगों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीएसटी बचत महोत्सव भारत के लोगों के लिए खुशी, समृद्धि और सफलता लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि यद्यपि अरुणाचल प्रदेश सूर्य की किरणें सबसे पहले प्राप्त करता है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि त्वरित विकास की किरणों को इस क्षेत्र तक पहुंचने में कई दशक लग गए। श्री मोदी ने 2014 से पहले कई बार अरुणाचल प्रदेश की यात्रा और वहां के लोगों के बीच रहने को याद करते हुए कहा कि इस राज्य को - अपनी भूमि, श्रमशील नागरिकों और अपार संभावनाओं के साथ प्रकृति का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन विशिष्टताओं के बावजूद, दिल्ली से शासन करने वाले पूर्ववर्ती लोगों ने अरुणाचल की लगातार उपेक्षा की। उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों की इस सोच के लिए आलोचना की कि कम आबादी और केवल दो लोकसभा सीटों वाले अरुणाचल पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण ने अरुणाचल और पूरे पूर्वोत्तर को बहुत हानि पहुंचाई, जो विकास की यात्रा में बहुत पीछे छूट गया।

श्री मोदी ने कहा कि 2014 में राष्ट्र की सेवा का अवसर मिलने के बाद, उन्होंने देश को पिछली सरकार की मानसिकता से मुक्त करने का संकल्प लिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार की मार्गदर्शक प्रेरणा किसी राज्य में वोटों या सीटों की संख्या नहीं, बल्कि "राष्ट्र प्रथम" का सिद्धांत है। उन्होंने सरकार के मूल मंत्र- 'नागरिक देवोभव' को दोहराया।

महिलाएं स्वस्थ होंगी तो परिवार स्वस्थ रहेगा और राष्ट्र भी मजबूत बनेगाः सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आयोजित स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम में आज मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने भागीदारी की और नारी शक्ति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं स्वस्थ होंगी तो परिवार स्वस्थ रहेगा और परिवार स्वस्थ रहेगा तो पूरा राष्ट्र मजबूत बनेगा। उनका यह भी कहना था कि महिलाएं इस देश की विकास यात्रा की अग्रिम पंक्ति की शक्ति हैं। यदि वे स्वस्थ होंगी, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी सशक्त होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अभियान को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देशव्यापी रूप में प्रारंभ किया है। इसके अंतर्गत एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनमें महिलाओं के लिए सभी प्रकार की स्वास्थ्य जांच पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन वास्तव में अद्वितीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने देश की हमारी बहनों और बेटियों के स्वास्थ्य को केंद्र में रखकर ऐतिहासिक पहल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स में 17 सितंबर से यह मेगा हेल्थ कैंप निरंतर चल रहा है और प्रतिदिन हजारों महिलाएं इसका लाभ ले रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहती हूँ, क्योंकि उन्होंने महिला को केवल परिवार की धुरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा तय करने वाली शक्ति मानते हुए उसके स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। महिलाएं स्वस्थ होंगी तो परिवार स्वस्थ रहेगा, और परिवार स्वस्थ रहेगा तो पूरा राष्ट्र मजबूत बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को और किफायती बनाने के लिए कई जीवन रक्षक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर जीएसटी दरें कम कर दी हैं। यह नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार अपने आप में अभूतपूर्व है, जिससे हर नागरिक, खासतौर पर गृहिणियों और मध्यमवर्गीय परिवारों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इस अभियान के शुभारंभ पर दिए गए संदेश को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश की सभी बहनों से अपील की है कि वे निकटतम स्वास्थ्य शिविर में जाकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएं अपनी सेहत को प्राथमिकता दें। भारत जैसे देश में, जहाँ अच्छे परिवारों की महिलाओं में भी हीमोग्लोबिन और विटामिन्स की कमी आम है, वहाँ यह अभियान अत्यंत प्रासंगिक है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय पोषण माह की भी शुरूआत की है और सभी से संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार महिलाएँ इस देश की विकास यात्रा की अग्रिम पंक्ति की शक्ति हैं। यदि वे स्वस्थ होंगी, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी सशक्त होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एम्स, केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को इस महान पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी बहनों से निवेदन किया कि वे नजदीकी हेल्थ कैंप में जाकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाएँ। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है।

केंद्र और प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चल रही हैः सीएम सैनी

पंचकूला में 'महाराजा अग्रसेन जयंती' में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सीएम

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चल कर "सबका साथ, सबका विकास" की नीति पर चल रही है। जिस प्रकार से महाराजा अग्रसेन अपने राज्य में बसने वाले हर व्यक्ति को एक ईंट और एक सोने की मोहर भेंट कर सहयोग करते थे, उनकी इसी समावेशी और दूरगामी सोच को आधार बनाकर सरकार अपनी योजनाओं से प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री पंचकूला में हरियाणा सरकार की "संत महापुरुष सम्मान एवं विचार-प्रसार योजना" के अंतर्गत आयोजित "महाराजा अग्रसेन जयंती" में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सर्वप्रथम लोगों को शरदीय नवरात्रों की बधाई दी और महाराजा अग्रसेन को नमन किया। उन्होंने अग्रवाल समाज के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि यह समाज सदैव देश व समाज के लिए और उससे भी बढ़कर सम्पूर्ण मानवता के लिए महान सेवाएं प्रदान करता रहा है। उन्होंने समाज के कई महापुरुषों का नाम लेते हुए कहा कि जिस क्षेत्र पर नजर डालें, हर क्षेत्र में अग्रवाल समुदाय के लोगों की भूमिका देखने को मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज मुख्यतः व्यापार और उद्योग से जुड़ा है। हरियाणा सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में उद्योग और व्यापार के अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार की नीतियों के कारण आज हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए 'हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन किया है। हमने हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों और सिद्धांतों को याद रखें। उन्होंने बताया कि नवरात्रों से देशभर में जीएसटी में हुए सुधारों को लागु किया जा रहा है, इससे व्यापारी वर्ग में विशेष उत्साह है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इन सुधारों के लिए प्रधामंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अग्रवाल समाज द्वारा एक धन्यवाद पत्र भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि व्यापारियों के लिए ई-रिफंड की ऑनलाइन सुविधा शुरू की है। कराधान के क्षेत्र में ई-पंजीकरण, कर की ई-अदायगी एवं रिटर्न की ई-फाइलिंग, ई-निविदा और सी-फार्म जारी करने की ऑनलाइन सुविधा शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना' के तहत 20 साल से अधिक समय से किराये या लीज अथवा लाइसेंस फीस पर चल रही पालिकाओं की दुकानों व मकानों की मलकीयत उन पर काबिज व्यक्तियों को दी हैं। व्यापारियों की सुविधा हेतु माल के अंतर्राज्यीय आवागमन के लिए 'ई-वे बिल योजना' शुरू की है।

'प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मान धन योजना' के तहत खुदरा विक्रेताओं और दुकानदारों के लिए 60 वर्ष की आयु होने पर 3 हजार रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन सुनिश्चित की है।

श्री नायब सिंह सैनी ने उद्योगपतियों की सुविधा के लिए लागू की जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि लघु व मध्यम व्यापारियों के कल्याण के लिए अलग से 'एम.एस.एम.ई.' विभाग का गठन किया गया है। गुरुग्राम में स्टार्टअप की मदद के लिए 'जी.एस.टी. सुविधा सेल' स्थापित किया है। इसमें स्टार्ट-अप को पंजीकरण से लेकर रिटर्न दाखिल करने तक एंड-टू-एंड मदद मिल रही है। इसी प्रकार, पंचकूला में 'एम.एस.एम.ई. जी.एस.टी. सुविधा सेल की स्थापना की गई है। इससे छोटे उद्यमियों को आसानी से जी.एस.टी. अनुपालन करने में मदद मिल रही है।

मंत्री ने भव्य 'सनातन संस्कारम रामलीला उत्सव' का दिल्ली वासियों को दिया आमंत्रण

ईको फ्रेंडली दशहरा होगा खास आकर्षण, डांडिया नाईट में सिंगर शिबानी कश्यप भावपूर्ण प्रस्तुति देंगी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं रामलीला समिति के चेयरमैन रविन्द्र इन्द्राज ने दिल्ली वासियों को प्रथम भव्य सनातन संस्कारम रामलीला उत्सव में आमंत्रित किया है। यह आयोजन 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक डीडीए रामलीला ग्राउंड, सेक्टर-23, रोहिणी में भव्य स्तर पर संपन्न होगा। उन्होंने इस आयोजन का साक्षी बनने के लिए केन्द्रीय मंत्रियों, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों, विधायकों, सांसदों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी औपचारिक निमंत्रण भेजकर सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

आयोजन की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि रामलीला का थीम परम्परा से भविष्य की ओर है। जो नई पीढ़ी को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने और उन्हें उनकी दिव्य विरासत का गौरव अनुभव कराने का भी एक प्रयास है। इस उत्सव का समापन ईको-फ्रेंडली दशहरा के साथ होगा, जो पर्यावरण संरक्षण और हरित दिल्ली का संदेश देगा।

श्री इन्द्राज ने कहा कि सेवा पखवाड़े को केंद्र में रखते हुए नशा मुक्ति और विकसित दिल्ली संकल्प जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी पूरे आयोजन में दिए जाएंगे। साथ ही वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी उत्पादों, स्वच्छता, जल संरक्षण और हरित दिल्ली जैसे संदेशों का भी व्यापक प्रसार होगा।

आयोजकों ने भव्यता की जानकारी देते हुए कहा कि 150x60 फीट के विशाल मंच पर 100 से अधिक कलाकार प्रस्तुति देंगे। अत्याधुनिक लाइटिंग, एलईडी स्क्रीन और आधुनिक तकनीकी मंचन के साथ रामकथा का भव्य प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। पारंपरिक संस्कृति को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का यह एक अद्वितीय प्रयास होगा। 25 सितम्बर को राम बारात, महारास रात्रि, श्याम बाबा की श्रृंगार झांकी का विशेष आयोजन होगा। डांडिया नाईट में सिंगर शिबानी कश्यप भावपूर्ण प्रस्तुति देंगी। श्री इन्द्राज ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रथम सनातन संस्कारम रामलीला का आयोजन सनातन धर्म की महान परंपराओं, भारत की प्राचीन संस्कृति और भगवान श्रीराम के जीवन आदर्श को जन-जन तक पहुँचाने का सफल प्रयास होगा।

श्री इन्द्राज ने दिल्ली वासियों से अपील की है कि परिवार सहित इस सनातन संस्कारम रामलीला उत्सव में शामिल होकर भारतीय संस्कृति और सामाजिक जागरूकता के इस अद्वितीय संगम का हिस्सा बनें।

'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज का रजिस्ट्रेशन 23 सितंबर से होगी शुरूः भगवंत सिंह मान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। राज्य के नागरिकों को बड़ी सौगात देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत रजिस्ट्रेशन शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य लोगों को 10 लाख रुपये तक का नगद रहित इलाज उपलब्ध करवाना है।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जन-हितैषी स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन मंगलवार (23 सितंबर) से बरनाला और तरन तारन जिलों से होगा, जिससे लोगों को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू होगी और इसे 10-12 दिनों के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। इसके अंतर्गत तरन तारन जिले में 128 स्थानों और बरनाला जिले में भी 128 स्थानों पर कैंप लगाए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अपनी तरह की पहली इस ऐतिहासिक स्कीम की शुरूआत लोगों की भलाई के लिए की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों जिलों के सभी नागरिक मुख्यमंत्री स्वास्थ्य कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं और इन कैंपों के दौरान रजिस्ट्रेशन के लिए किसी को अधिक दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कैंप लगाने से पहले पूरे इलाके में मुनादी करवाकर या अन्य साधनों से लोगों को जागरूक किया जाएगा ताकि हर व्यक्ति को कैंप के बारे में पता लग सके। भगवंत

सिंह मान ने कहा कि स्वास्थ्य कार्ड के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को अपना आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो कैंप में लानी होगी और अन्य किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 से 12 दिनों के भीतर इन जिलों में सभी के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का रजिस्ट्रेशन पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फीडबैक के आधार पर यदि इस प्रक्रिया में किसी सुधार की आवश्यकता होगी तो उन्हें विधिवत शामिल किया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके बाद योजना के लिए रजिस्ट्रेशन पूरे पंजाब में शुरू होगा और एक बार यह प्रक्रिया पूरे राज्य में पूरी होने पर इसे आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पंजाबी मुख्यमंत्री स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग कर 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमे का लाभ उठा सकेगा, जिससे मुफ्त और नगद रहित इलाज प्राप्त किया जा सकेगा।

सीएम नायब सिंह सैनी ने धर्मपत्नी सहित पहले नवरात्र पर किए माता मनसा देवी के दर्शन, लिया आशीर्वाद

प्रदेशवासियों की सुख, शांति व समृद्धि की करी कामना

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी सहित अश्विन नवरात्र के प्रथम दिन आज पंचकूला स्थित माता मनसा देवी मंदिर में माथा टेक पूजा अर्चना कर महामायी का आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री ने इसके उपरांत मंदिर परिसर में स्थित यज्ञशाला पहुंचकर हवन यज्ञ में भाग लिया और आहुति डाली। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं माता मनसा देवी श्राईन बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निशा यादव ने मुख्यमंत्री को माता मनसा देवी का चित्र सम्मान स्वरूप भेंट किया।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, माता मनसा देवी श्राईन बोर्ड की सचिव श्रीमती शारदा प्रजापति, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सम्पादकीय

अमेरिका का विरोध

भारत और चीन के खिलाफ जारी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध के खिलाफ रूस का खुलकर उतरना वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का उदाहरण है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का दोनों देशों के पक्ष में खुलकर उतरना यह साबित करता है कि तीनों ही देश कम से कम आर्थिक विषयों के मामले में साथ आ रहे हैं। रूस का खुलकर भारत और चीन का साथ देना और अमेरिका का विरोध करना, वैश्विक दादागिरी वाली अमेरिकी कूटनीति को सीधी चुनौती कही जा सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर के दिन बधाई देकर एक तरह से दोनों देशों के रिश्तों में टैरिफ युद्ध के चलते आई तल्खी को कम करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी रूख में कोई बदलाव नहीं आने की वजह से वास्तविक हालात में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। ऐसे मौके पर सर्गेई लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चेतावनी हो सकता है। भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर पचास प्रतिशत का टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका ने रूस से भारत द्वारा कच्चा तेल खरीदने को कारण बताया है। अमेरिका का कहना है कि भारत ऐसा करके रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है। हालांकि भारत इससे इनकार करता रहा है। भारत वैसे भी रूस से तेल खरीदने वाले देशों में निचले पायदान पर है। हां, भारत की रूस से नजदीकी रही है और वह बनी हुई है। विशेषकर रक्षा क्षेत्र में रूस से भारत की नजदीकी दशकों से बनी हुई है। अमेरिका इससे चिढ़ता रहा है। हालांकि पिछले करीब दो दशकों से इसमें कमी आई है। इसकी वजह भारत का विशाल मध्य वर्गीय बाजार रहा है। जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं। लेकिन ट्रंप काल में आए टैरिफ बम के चलते इसमें गिरावट आ रही है। सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को एक तरह से चेतावनी दी, अपने ही देश के मुख्य टीवी चैनल 1टीवी के कार्यक्रम द ग्रेट गेम में उन्होंने कहा कि चीन और भारत प्राचीन सभ्यताएं हैं। उनसे इस तरह से बात करना कि या तो आप वह बंद कर दें जो हम नहीं चाहते या हम आप पर टैरिफ थोप देंगे, काम नहीं कर पाया। सर्गेई ने इस कार्यक्रम में एक तरह चुटकी भी ली। उन्होंने अमेरिका के चीन और भारत से जारी रिश्तों को लेकर कहा कि चीन और भारत से जिस तरह का अमेरिकी संपर्क जारी है, वह दिखाता है कि अमेरिकी पक्ष वैश्विक कूटनीति में आ रहे बदलावों को समझ चुका है। लावरोव ने अमेरिका के प्रति भारत और चीन की प्रतिक्रिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमेरिकी कदम से दोनों देशों को थोड़ी आर्थिक परेशानी जरूर हुई, क्योंकि दोनों ही देशों यानी चीन और भारत को नए बाजारों और ऊर्जा आपूर्ति के नए स्त्रोतों की तलाश करने और ज्यादा कीमत चुकाने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ये है कि इस अमेरिकी रवैये का नैतिक और राजनीतिक विरोध भी हो रहा है। लावरोव का यह कहना भी कि रूस पर नए प्रतिबंधों से कोई खतरा नहीं है, बहुत मानीखेज है। इसका मतलब यह है कि रूस कम से कम इस वक्त अमेरिकी दबवा में नहीं आने जा रहा। रूस पर वैसे ही बाइडन प्रशासन के जमाने से कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं, फिर भी रूस की सेहत और कूटनीति पर विशेष असर नहीं पड़ा है। ध्यान देने की बात यह है कि रूस, चीन और भारत की कुल जनसंख्या करीब तीन अरब है। जो वैश्विक जनसंख्या का करीब चालीस फीसद है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीनों देशों की अर्थव्यवस्था की सामूहिक भागीदारी करीब 32 प्रतिशत है। जाहिर है कि दुनिया में इनकी हिस्सेदारी अहम है। ऐसे में लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चुनौती ही है कि टैरिफ युद्ध खत्म हो या न हो, तीनों देश कम से कम अपनी आर्थिक चुनौतियों के सामने झुकने नहीं जा रहे।

जयंती

रामधारी सिंह 'दिनकर'

जन्म: 23 सितंबर, 1908, बिहार; मृत्यु: 24 अप्रैल, 1974, तमिलनाडु) हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक, कवि एवं निबंधकार थे। 'राष्ट्रकवि दिनकर' आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीर रस के कवि के रूप में स्थापित हैं। उनको राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत, क्रांतिपूर्ण संघर्ष की प्रेरणा देने वाली ओजस्वी कविताओं के कारण असीम लोकप्रियता मिली। दिनकर जी ने इतिहास, दर्शनशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई पटना विश्वविद्यालय से की। साहित्य के रूप में उन्होंने संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी और उर्दू का गहन अध्ययन किया था।

पुण्यतिथि

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

जन्म: 15 सितम्बर, 1927; मृत्यु: 23 सितम्बर, 1983) प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार थे। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 'तीसरे सप्तक' के महत्वपूर्ण कवियों में से एक थे। कविता के अतिरिक्त उन्होंने कहानी, नाटक और बाल साहित्य भी रचा। उनकी रचनाओं का अनेक भाषाओं में अनुवाद भी हुआ। आकाशवाणी में सहायक निर्माता; दिनमान के उपसंपादक तथा पराग के संपादक रहे। यद्यपि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का साहित्यिक जीवन काव्य से प्रारंभ हुआ तथापि 'चरचे और चरखे' स्तम्भ में दिनमान में छपे आपके लेख विशेष लोकप्रिय रहे। सन 1983 में कविता संग्रह 'खूँटियों पर टंगे लोग' के लिए सर्वेश्वर दयाल सक्सेना को साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया।

कल मिलेंगे

गर्लफ्रेंड अपने बॉयफ्रेंड से कहती है
गर्लफ्रेंड: आज तुम मेरे लिए टाइम निकालकर कैसे आ गए बाबू?
बॉयफ्रेंड: क्योंकि आज मेरे मोबाइल की बैटरी खत्म हो गई है, नहीं खेल पा रहा.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

राजद प्रवक्ताओं का टीवी डिबेट्स में व्यवहार: लोकतंत्र की गरिमा पर सवाल

-आशीष कुमार 'अंशु'

> राजद प्रवक्ताओं की सबसे बड़ी कमी उनकी तथ्यहीनता और तैयारी की कमी है। जब उनसे तथ्य और आंकड़े मांगे जाते हैं, तो वे या तो विषय बदल देती हैं या फिर चीख-चिल्लाकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, एक हालिया डिबेट में जब कंचना यादव से बिहार में राजद शासन के दौरान शिक्षा और रोजगार के आंकड़ों पर सवाल किया गया, तो उन्होंने जवाब देने के बजाय विपक्षी पैनलिस्ट पर व्यक्तिगत टिप्पणी की

हाल के दिनों में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रवक्ताओं-कंचना यादव, सारिका पासवान और प्रियंका भारती-के टीवी डिबेट्स में अभद्र व्यवहार और अपशब्दों से भरे वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन प्रवक्ताओं का आचरण न केवल राजनीतिक चर्चा के स्तर को नीचे लाता है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। न्यूज चैनलों पर होने वाली पैनल चर्चाओं में ये प्रवक्ता तथ्यों और तर्कों के बजाय व्यक्तिगत हमलों, अपशब्दों और प्रोपेगेंडा का सहारा लेती नजर आ रही हैं। इस तरह की हरकतों की कड़ी आलोचना हो रही है, और जनता के बीच इनके प्रति गुस्सा और निराशा साफ देखी जा सकती है।

इन वायरल वीडियो में कंचना यादव, सारिका पासवान और प्रियंका भारती का अन्य पैनलिस्टों के साथ व्यवहार निंदनीय रहा है। ये प्रवक्ता अक्सर चर्चा के दौरान विषय से भटककर व्यक्तिगत टिप्पणियां करती हैं और विरोधी पक्ष के तर्कों को सुनने की बजाय चीख-चिल्लाकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में एक प्रमुख न्यूज चैनल पर आयोजित डिबेट में कंचना यादव ने एक पैनलिस्ट को अपशब्द कहते हुए उनकी योग्यता पर सवाल उठाया। यह व्यवहार न केवल असभ्य था, बल्कि यह भी दशार्ता है कि वे तथ्यपरक चर्चा में हिस्सा लेने के बजाय माहौल को विषाक्त करने में अधिक रुचि रखती हैं। इसी तरह, सारिका पासवान ने एक अन्य चर्चा में बिना किसी तथ्य के विपक्षी दलों पर कीचड़ उछालने की कोशिश की, जिसका कोई ठोस आधार नहीं था। प्रियंका भारती ने भी एक डिबेट में तर्कों को नजरअंदाज करते हुए भावनात्मक प्रोपेगेंडा और महिला व पिछड़ा कार्ड खेलने की कोशिश की, जो उनकी कमजोर तैयारी को उजागर करता है।

यह विशेष रूप से शर्मनाक है कि ये प्रवक्ता अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए बार-बार महिला और पिछड़ा होने का कार्ड खेलती हैं। यह रणनीति न केवल पुरानी और घिसी-पिटी हो चुकी है, बल्कि यह समाज के उन लोगों का भी अपमान करती है जो वास्तव में अपने समुदाय के लिए संघर्ष करते हैं। अगर इन प्रवक्ताओं को वंचित वर्ग से आने वाले किसी व्यक्ति से प्रेरणा लेनी है, तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता डॉ. गुरु पासवान को देखना चाहिए। डॉ. पासवान, जो स्वयं एक वंचित समाज से आते हैं, अपनी हर बात को तथ्यों और तर्कों के साथ पेश करते हैं। वह किसी भी प्रश्न से पीछे नहीं हटते और न ही व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेते। उनकी पढ़ाई-लिखाई, गहन विषय-ज्ञान और शालीनता उन्हें एक प्रभावी वक्ता बनाती है। उनकी तार्किक क्षमता और व्यवहार इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक पृष्ठभूमि कोई बहाना नहीं होनी चाहिए; मेहनत, ज्ञान और सभ्यता ही असली ताकत हैं। क्या राजद की प्रवक्ताएं उनसे कुछ नहीं सीख सकतीं?

राजद प्रवक्ताओं की सबसे बड़ी कमी उनकी तथ्यहीनता और तैयारी की कमी है। जब उनसे तथ्य और आंकड़े मांगे जाते हैं, तो वे या तो विषय बदल देती हैं या फिर चीख-चिल्लाकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, एक हालिया डिबेट में जब कंचना यादव से बिहार में राजद शासन के दौरान शिक्षा और रोजगार के आंकड़ों पर सवाल किया गया, तो उन्होंने जवाब देने के बजाय विपक्षी पैनलिस्ट पर व्यक्तिगत टिप्पणी की। यह व्यवहार न केवल उनकी अक्षमता को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे जनता के असल मुद्दों से कितनी दूर हैं। इसी तरह, सारिका पासवान ने एक अन्य चर्चा में बिहार में अपराध दर के आंकड़ों पर सवाल उठाए जाने पर तथ्यों के बजाय विपक्षी दलों पर अनर्गल आरोप लगाए। प्रियंका भारती भी अक्सर तथ्यों के अभाव में भावनात्मक अपील का सहारा लेती हैं, जो उनकी कमजोर तैयारी को और उजागर करता है।

सोशल मीडिया पर इन वीडियो को देखकर जनता का गुस्सा साफ झलकता है। लोग इन प्रवक्ताओं की तुलना उन नेताओं और प्रवक्ताओं से कर रहे हैं जो तथ्यों और तर्कों के साथ अपनी बात रखते हैं। ट्विटर और फेसबुक जैसे मंचों पर यूजर्स ने इन प्रवक्ताओं के व्यवहार को "शर्मनाक" और "असभ्य" करार दिया है। एक यूजर ने लिखा, "राजद की प्रवक्ताएं तथ्यों के बजाय चीख-चिल्लाकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करती हैं। यह राजनीति नहीं, नौटंकी है।" एक अन्य यूजर ने सवाल उठाया, "क्या राजद के पास ऐसे प्रवक्ता नहीं हैं जो तर्क और तथ्यों के साथ अपनी बात रख सकें?" यह जनता की निराशा और गुस्से का स्पष्ट संकेत है। यह समय है कि राजद अपनी प्रवक्ताओं को प्रशिक्षित करे और उन्हें समझाए कि राजनीतिक चर्चा का मकसद प्रोपेगेंडा फैलाना नहीं, बल्कि जनता को सच्चाई से अवगत कराना है। इन प्रवक्ताओं को यह समझना होगा कि अपशब्द और अभद्रता उनकी कमजोरियों को और उजागर करती है। अगर वे डॉ. गुरु पासवान जैसे प्रवक्ताओं से प्रेरणा लें, तो शायद वे अपनी विश्वसनीयता को बचा सकें। डॉ. पासवान का उदाहरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे न केवल अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि का सकारात्मक उपयोग करते हैं, बल्कि अपनी तार्किक क्षमता और गहन ज्ञान के साथ हर चर्चा में प्रभाव छोड़ते हैं। उनकी शालीनता और तथ्यपरकता राजद की प्रवक्ताओं के लिए एक सबक हो सकती है।

राजद को यह भी समझना होगा कि टीवी डिबेट्स और सोशल मीडिया के इस युग में जनता की नजरें हर बात पर हैं। लोग अब उन नेताओं और प्रवक्ताओं को महत्व देते हैं जो तथ्यों और तर्कों के साथ अपनी बात रखते हैं। अगर राजद अपनी छवि को सुधारना चाहता है, तो उसे अपनी प्रवक्ताओं को तथ्यपरक और सभ्य व्यवहार के लिए प्रशिक्षित करना होगा। इसके लिए पार्टी को निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए:

-प्रशिक्षण और कार्यशालाएं: राजद को अपने प्रवक्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए, जिसमें उन्हें तथ्यपरक चर्चा, डिबेट की कला और शालीनता सिखाई जाए।

-तथ्यों पर जोर: प्रवक्ताओं को हर चर्चा के लिए अच्छी तरह तैयार करना चाहिए, जिसमें आंकड़े, तथ्य और नीतिगत जानकारी शामिल हो। इससे वे व्यक्तिगत हमलों और अपशब्दों से बच सकेंगी।

-सभ्यता और नैतिकता: प्रवक्ताओं को यह समझाना होगा कि अपशब्द और अभद्रता उनकी विश्वसनीयता को कम करती है। सभ्य और तार्किक व्यवहार ही जनता का विश्वास जीत सकता है।

-सकारात्मक प्रेरणा: पार्टी को डॉ. गुरु पासवान जैसे प्रवक्ताओं के उदाहरण को सामने रखना चाहिए, जो अपनी मेहनत और ज्ञान के दम पर सम्मान अर्जित करते हैं।

अंत में, राजद को अपनी प्रवक्ताओं की इस तरह की हरकतों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। जनता अब ऐसी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी जो तथ्यों के बजाय शोर-शराबे और अपशब्दों पर टिकी हो। इन प्रवक्ताओं को अपनी गलतियों से सबक लेना होगा और राजनीतिक चर्चा को एक सभ्य और तार्किक स्तर पर लाना होगा। अगर राजद इस दिशा में कदम नहीं उठाता, तो उसकी छवि को और नुकसान होने का खतरा है। यह समय है कि पार्टी अपने प्रवक्ताओं को न केवल प्रशिक्षित करे, बल्कि उन्हें यह भी समझाए कि राजनीति का असली मकसद जनता की सेवा करना है, न कि टीवी पर नौटंकी करना। भारतीय लोकतंत्र में सभ्य और तथ्यपरक चर्चा की जरूरत है, और राजद को इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

न्याय की रीढ़ पर वार: क्यों जरूरी है अधिवक्ता संरक्षण कानून

-पवन शुक्ला (अधिवक्ता)
(लेखक उच्च न्यायालय, लखनऊ में राज्य विधि अधिकारी हैं और विधिक-सामाजिक मुद्दों के मुखर स्वर हैं)

> हापुड़ घटना के बाद 5 सितंबर 2023 को योगी सरकार ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। इस समिति का दायित्व था कि वह अधिवक्ताओं से सुझाव लेकर एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करे और सरकार को अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने के संबंध में ठोस दिशा-निर्देश दे। 9 सितंबर 2023 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए एक न्यायिक समिति गठित की

अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की माँग उत्तर प्रदेश में लगातार तेज हो रही है। हापुड़ से वाराणसी तक हुई घटनाओं ने वकीलों की असुरक्षा को उजागर किया है। विधि आयोग और बार काउंसिल अपनी सिफारिशें सरकार को दे चुके हैं। अब जरूरत है कि विधानमंडल तुरंत अधिनियम लागू कर न्यायपालिका की रीढ़ को मजबूती दे। लोकतंत्र के तीसरे स्तंभ के रूप में वकील समाज का अभिन्न हिस्सा है। अदालत की चौखट पर जब आम नागरिक न्याय की उम्मीद लेकर पहुँचता है, तो उसका सबसे बड़ा सहारा अधिवक्ता ही होता है। अधिवक्ता न केवल अपने मुवक्किल का पक्ष रखते हैं, बल्कि न्यायपालिका और जनसाधारण के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। किंतु दुखद है कि जो वर्ग कानून और व्यवस्था की रक्षा करता है, वही आज खुद असुरक्षित है।

अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की शुरूआत जुलाई 2021 में हुई, जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने इसका मसौदा प्रस्तुत किया। इसमें अधिवक्ताओं को हिंसा, धमकी और उत्पीड़न से बचाने के लिए कानूनी सुरक्षा के ठोस प्रावधान रखे गए। 2022 में संसद की स्थायी समिति ने मसौदे की समीक्षा कर संशोधनों की सिफारिश की। इसके बाद मार्च 2023 में राजस्थान पहला राज्य बना जिसने यह अधिनियम पारित कर अधिवक्ताओं को सुरक्षा का कवच दिया और अन्य राज्यों में भी उम्मीद जगाई। उत्तर प्रदेश में यह माँग 29 अगस्त 2023 की हापुड़ घटना के बाद और तीव्र हो गई। उस दिन पुलिस ने न्यायालय परिसर में निहत्थे अधिवक्ताओं पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया। न्याय की रक्षा करने वाले स्वयं न्यायालय परिसर में ही अपमानित और घायल किए गए। यह दृश्य पूरे प्रदेश की बार एसोसिएशनों को झकझोर गया और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की माँग को और प्रबल बना दिया। इसके विरोध में 4 सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने तीन-दिवसीय हड़ताल की घोषणा की और अदालतों में कामकाज ठप हो गया।

हापुड़ घटना के बाद 5 सितंबर 2023 को योगी सरकार ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। इस समिति का दायित्व था कि वह अधिवक्ताओं से सुझाव लेकर एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करे और सरकार को अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने के संबंध में ठोस दिशा-निर्देश दे। 9 सितंबर 2023 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए एक न्यायिक समिति गठित की। समिति को 16 सितंबर से बैठकें शुरू करने का निर्देश दिया गया। अधिवक्ताओं ने पुलिस की बढ़ती दखलअंदाजी, मनमानी गिरफ्तारी और सुरक्षा की कमी की शिकायतें कीं। सितंबर के अंत तक 40 से अधिक शिकायतें मिलीं। अक्टूबर 2023 में अंतरिम रिपोर्ट में अधिवक्ताओं पर हमले को न्यायिक कार्यवाही में गंभीर बाधा बताया गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने भी अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का मसौदा तैयार कर राज्य विधि आयोग को सौंपा।

विधि आयोग ने नवंबर 2023 में अपनी सिफारिशें दीं, जिनमें अदालत परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, अधिवक्ताओं को सुरक्षित और पक्के चैंबर उपलब्ध कराने, सामूहिक बीमा योजना लागू करने और महामारी जैसी आपात परिस्थितियों में उन्हें न्यूनतम पंद्रह हजार रुपये मासिक आर्थिक सहायता देने का सुझाव शामिल था। आयोग ने यह भी कहा कि किसी अधिवक्ता की गिरफ्तारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना न हो और गिरफ्तारी की स्थिति में 24 घंटे के भीतर संबंधित बार एसोसिएशन को सूचना दी जाए। अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रारूप में अधिवक्ताओं पर हिंसा, धमकी, उत्पीड़न, संपत्ति का नुकसान और दुर्भावनापूर्ण अभियोजन को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना गया है। दोषी पाए जाने पर छह महीने से पाँच वर्ष तक की सजा और पचास हजार से दस लाख रुपये तक का जुमार्ना होगा, जबकि पुनरावृत्ति की स्थिति में यह सजा दस वर्ष तक बढ़ाई जा सकेगी। अदालत को पीड़ित अधिवक्ता को मुआवजा देने का अधिकार होगा। लेकिन अधिवक्ता समाज को अपेक्षित परिणाम अब तक नहीं मिले। प्रयागराज में अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला की दिनदहाड़े हत्या ने यह संदेश दिया कि पेशेवर दायित्व निभाने वाले वकील भी असुरक्षित हैं। 17 सितंबर 2025 को वाराणसी जिला न्यायालय परिसर में पुलिस और वकीलों के बीच टकराव हुआ, जिसमें उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार गंभीर रूप से घायल हुए और लगभग 70 अधिवक्ताओं पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस घटना के बाद अधिवक्ताओं ने काम का बहिष्कार किया और अदालतों का वातावरण तनावपूर्ण हो गया।

19 सितंबर 2025 को चंदौली में अधिवक्ता कमला यादव की हत्या उनके ही भाई द्वारा कर दी गई और मुरादाबाद में एक महिला अधिवक्ता पर रासायनिक हमला हुआ। यह घटनाएँ इस तथ्य को पुष्ट करती हैं कि मौजूदा कानूनी प्रावधान अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इन घटनाओं ने अधिवक्ता बिरादरी के आत्मविश्वास को गहरा आघात पहुँचाया। हम अपने परिवार और बच्चों को हर रोज यह आश्वासन नहीं दे पा रहे कि हम सुरक्षित लौटेंगे। यह स्थिति अधिवक्ता बिरादरी के आत्मविश्वास को तोड़ रही है।-वाराणसी के एक वरिष्ठ अधिवक्ता (स्थानीय अखबार से बातचीत, 2024)। युवा वकील और कानून पढ़ रहे छात्र-छात्राएँ अब सवाल करने लगे हैं कि क्या न्याय के लिए लड़ना उनके जीवन के लिए खतरा बन जाएगा। जब अधिवक्ता भयभीत रहेंगे, तो कौन नागरिक का पक्ष निर्भीक होकर अदालत में रख पाएगा? अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल पेशेवर संरक्षण नहीं, बल्कि पूरे समाज के न्याय की सुरक्षा है। -बार काउंसिल ऑफ यूपी, 2024.

17 सितंबर की वाराणसी घटना के बाद 20 सितंबर 2025 को विधान परिषद सदस्य अशुतोष सिन्हा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को तत्काल लागू करने की माँग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अब भी ठोस कदम नहीं उठाती तो अधिवक्ता समाज का धैर्य टूट जाएगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष परेश मिश्रा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर वाराणसी में पुलिस की कथित बर्बरता की मजिस्ट्रेटी जांच और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के त्वरित क्रियान्वयन की माँग की। आज स्थिति यह है कि बार काउंसिल और विधि आयोग दोनों अपनी रिपोर्ट और सुझाव सरकार को दे चुके हैं, राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू कर उदाहरण प्रस्तुत कर चुका है, किंतु उत्तर प्रदेश में अधिवक्ताओं को अब भी सुरक्षा की गारंटी नहीं मिली है। यदि अधिवक्ता सुरक्षित नहीं होंगे, तो न्यायपालिका की रीढ़ टूट जाएगी। यह केवल वकीलों का प्रश्न नहीं, लोकतंत्र की आत्मा का प्रश्न है। -उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के चेयरमैन शिव किशोर गौड़।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

यूके, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया पर भयंकर भड़का इजरायल, नेतन्याहू ने किया ये ऐलान

(एजेन्सी)।

यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में औपचारिक मान्यता देने की घोषणा कर दी है। इस कदम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टू नेशन सॉल्यूशन को जिंदा रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। लेकिन इस फैसले से इजरायल और अमेरिका के साथ पश्चिमी देशों के रिश्तों में खिंचाव आ सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से कुछ दिन पहले ही ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने फलस्तीन को बतौर देश आधिकारिक मान्यता दे दी है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ये फैसला फलस्तीन और इजरायल लोगों के लिए शांति की उम्मीद और टू स्टेट सॉल्यूशन को जिंदा करने की दिशा में उठाया गया कदम है। हालांकि, स्टॉर्मर ने ये भी कहा है कि इसे हमास के लिए एक पुरस्कार की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। ब्रिटिश पीएम ने अपने भाषण में गाजा में भुखमरी से पैदा हुए हालात का भी जिक्र किया। ये ऐलान यूके की नीति में उस बदलाव के बाद आया जब जुलाई में स्टार्मर ने इजरायल के सामने शर्ते रखी थी। जिनमें गाजा में युद्धविराम, मानवीय सहायता की अनुमति, वेस्ट बैंक में कब्जे को खारिज कर दो राष्ट्र समाधान की दिशा में आगे बढ़ना शामिल था। इससे पहले कनाडा जी-7 देशों में पहला देश बना, जिसने फलस्तीन को मान्यता दी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बयान जारी कर कहा कि इस तरह से कनाडा टू स्टेट सॉल्यूशन को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समन्वित प्रयासों का हिस्सा बनने का वादा पूरा कर रहा है। कार्नी ने अपने बयान में ये भी कहा कि ये मान्यता उन लोगों को सशक्त बनाती है, जो हमास के अंत - और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व चाहते हैं।

इसके कुछ समय बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी इस घोषणा को लेकर एक बयान जारी किया। इस बीच, इजरायल के विदेश मंत्रालय ने इसे हमास के लिए एक पुरस्कार करार दिया है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कहा गया कि वो औपचारिक रूप से स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीनीराज्य के रूप में मान्यता देता है। ऐसा करके ऑस्ट्रेलिया फिलिस्तीन के लोगों की अलग राज्य की वैध और लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को मान्यता देता है।

उन्होंने गाजा में तत्काल युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई पर जोर दिया। साथ ही कहा कि हमास का फिलिस्तीन के भविष्य के शासन में कोई स्थान नहीं होगा। हालांकि इजरायल ने इसका भारी विरोध किया है। इजरायल ने इस कदम की कड़ी निंदा की है। एक्स पर इजरायली विदेश मंत्रालय की ओर से साझा किए गए एक पोस्ट में कहा गया है कि फलस्तीन को मान्यता जिहादी हमास के लिए एक पुरस्कार है। बयान आगे कहता है कि हमास के नेताओं ने पहले ही कहा है कि इस तरह की मान्यता 7 अक्टूबर की घटना का फल है।

सोने का भाव 799 रुपये चढ़कर 1.11 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार

(एजेन्सी)।

मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों के ताजा सौदों से वायदा कारोबार में सोने का भाव सोमवार को 799 रुपये चढ़कर 1.11 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 799 रुपये यानी 0.72 प्रतिशत चढ़कर 1,11,750 प्रति 10 ग्राम हो गई। हालांकि, सबसे अधिक कारोबार करने वाले अक्टूबर आपूर्ति वाले अनुबंधों में सोने का भाव 761 रुपये या 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,10,608 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सप्ताह यह 1,10,666 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर पहुंचा था। चांदी में भी तेजी देखी गई और यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। अगले साल मार्च में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 2,446 रुपये या 1.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,33,582 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसी तरह, दिसंबर में आपूर्ति वाले सबसे अधिक कारोबार वाले चांदी के वायदा अनुबंध की कीमत 2,473 रुपये या 1.9 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,32,311 रुपये प्रति किलोग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गए।

कारोबारियों का कहना है कि रुपये में कमजोरी और घरेलू बाजार में निराशाजनक माहौल ने सोने की कीमतों को और मजबूती दी। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 0.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,732.62 डॉलर प्रति औंस रहा। इस बीच, दिसंबर में आपूर्ति वाली चांदी का वायदा भाव 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 43.88 डॉलर प्रति औंस रहा।

अभिषेक शर्मा ने टी20 में तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

(एजेन्सी)।

एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कमाल की पारी खेली। भारत को जीत के लिए इस मैच में 172 रन का टारगेट मिला था और अभिषेक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी के बलबूते इस लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया। वहीं अभिषेक ने इस मैच में 39 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 76 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 189.74 का रहा। अपनी पारी में लगाए 5 छक्कों की मदद से अभिषेक ने क्रिस गेल को पछाड़ दिया और नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 5 छक्के लगाए और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने अपने 50 छक्के भी पूरे कर लिए। अभिषेक ने ये 50 छक्के सिर्फ 20 पारियों में लगाए और टी20 में सबसे कम पारियों में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने साथ ही इविन लुईस की बराबरी पर भी आ गए। लुईस ने ये कमाल 20 पारियों में किया था। अभिषेक क्रिस गेल से आगे निकल गए जिन्होंने 25 पारियों में टी20 में 50 छक्के लगाए थे।

टी20 में सबसे कम पारियों में 50 छक्के लागने वाले बल्लेबाज

20 पारी- इविन लुईस
20 पारी- अभिषेक शर्मा
25 पारी- क्रिस गेल
29 पारी- सूर्युकमार यादव
30 पारी- शेन वॉटसन
31 पारी- युवराज सिंह/केएल राहुल/रहमानुल्लाह गुरबाज
32 पारी- फिल सॉल्ट

अफरीदी ने टीम इंडिया की जमकर तारीफ की

(एजेन्सी)।

एशिया कप 2025 के सुपर-4 में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। जिसके बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भी भारतीय खिलाड़ियों की जमकर तारिफ की। अफरीदी ने कहा कि टीम इंडिया वर्ल्ड क्लास टीम है उनकी हर चीज परफेक्ट है। अफरीदी ने यहां तक कहा कि जिस तरह भारतीय टीम खेल रही थी उससे 172 क्या अगर 200 भी लक्ष्य होता तो वो बना लेते। पाकिस्तान के समा टीवी पर मैच के बाद अफरीदी ने कहा कि, मैच की बात करें तो इंडिया डिजर्व करता है। उनका एटीट्यूड, माइंडसेट, उनकी बल्लेबाजी, उनकी गेंदबाजी, आज के दिन की फील्डिंग तो नहीं कहूंगा लेकिन हर लिहाज से इंडिया बेलैंस और बड़े मैचों की टीम है। पाकिस्तान की गलतियों पर बात करते हुए शाहिद अफरीदी ने कहा कि, एक समय ऐसा आ गया था जब मुझे लगने लगा था कि पाकिस्तान 190 रन बना लेगा। लेकिन अगर आप 15 ओवरों के बाद 18 गेंदों में 12 रन बनाए, जिसमें एक छक्का भी लगा हो तो वो एक फिक्र की बात है कि वहां पर हमने गलती की। लेकिन पत्थर की लकीर नहीं है कि शाहीन को ही 2 ओवर डालने हैं आप बदल सकते हो। अफरीदी ने आगे कहा कि, टीम इंडिया लाजवाब है। मुझे लगता है कि अगर 200 रन का लक्ष्य होता तो वो भी आराम से बना लेते। पाकिस्तान के इस चैनल पर बैठे अन्य लोगों ने भी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की तारीफ की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की थी।

वहीं मोहम्मद यूसुफ ने बताया कि पाकिस्तान टीम मैच कहां हारी। उन्होंने कहा कि 10 ओवरों में 2 विकेट थे और रन 100 के करीब थे। लेकिन फिर अगले 15 ओवरों में 20-20 रन बना रहे हैं। हम मैच वहीं पर हारे उन्होंने इसका जिम्मेदार हुसैन तलत को बताया जो चौथे नंबर पर आए थे और 10 रन बनाकर कुलदीप यादव के शिकार बनें।

मोहनलाल ने शुरू की 'दृश्यम 3' की शूटिंग

(एजेन्सी)। मलयालम सिनेमा के प्रशंसित अभिनेता मोहनलाल ने 'दृश्यम' फिल्म की तीसरी किस्त पर आधिकारिक तौर पर काम शुरू कर दिया है। 22 सितंबर को एक पूजा समारोह के साथ शूटिंग शुरू हुई, जिसकी पुष्टि अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक घोषणा के जरिए की। निर्देशक जीतू जोसेफ, निमार्ता एंटनी पेरुम्बवूर और कई अन्य लोगों ने केरल में हुए पूजा समारोह में भाग लिया। जॉर्जकुट्टी की भूमिका में उनकी वापसी ने प्रशंसकों और फिल्म उद्योग दोनों में ही उल्लेखनीय रुचि पैदा की है। मोहनलाल का नाम हाल में दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए चुना गया है। शूटिंग के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना की गई। निर्देशक जीतू जोसेफ और निमार्ता एंटनी पेरुम्बवूर भी मोहनलाल के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पत्रकारों से बात करते हुए, मोहनलाल ने भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान के लिए चुने जाने पर अपनी खुशी जाहिर की। दृश्यम श्रृंखला के नए भाग में जॉर्जकुट्टी की अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि जॉर्जकुट्टी कुछ परेशानियां खड़ी करेगा लेकिन मुझे ज्यादा कुछ बताने के लिए मना किया गया है। सस्पेंस ही दृश्यम-3 का रोमांच और आकर्षण है। मोहनलाल ने कहा कि फिल्म शूटिंग उद्घाटन समारोह के बाद वह दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने के लिए नयी दिल्ली जाएंगे। दृश्यम-1 (2013) और दृश्यम-2 (2021) पूरे देश में हिट रहीं और इनका पुनर्निर्माण (रीमेक) हिंदी, सिंहला, मंदारिन और कोरियाई सहित कई भाषाओं में किया जा चुका है। निर्देशक जीतू जोसेफ ने कहा कि दर्शकों को ज्यादा उम्मीदें नहीं बल्कि जिज्ञासा लेकर आना चाहिए। यह फिल्म कोई थ्रिलर नहीं बल्कि एक पारिवारिक ड्रामा है, जो पिछले चार साल में जॉर्जकुट्टी के परिवार में आए बदलावों पर केंद्रित है।

खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी एंव अपर थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के भोरेशाहपुर गाँव में छापामारी कर खानपुर थाना कांड संख्या-184/2025 में फरार चल रहे अभियुक्त (1) सुधीर कुमार पिता भोला महतो महतो-ग्राम-भोरेशाहपुर-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त सुधीर महतो-पिता-भोला महतो-ग्राम-भोरेशाहपुर-खानपुर थाना कांड संख्या-184/2025 में घर छोड़ कर फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के सहयोग से बीती अभियुक्त सुधीर कुमार पिता भोला महतो ग्राम भोरेशाहपुर-थाना खानपुर को घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसे गिरफ्तारी कागजात तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

दुर्गा-पूजा को लेकर खानपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

थानाध्यक्ष व अंचलाधिकारी की उपस्थिति में हुई शांति समिति की बैठक

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थाना परिसर में रविवार को आगामी त्यौहार दुर्गा-पूजा लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। शांति समिति की बैठक खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी एवं खानपुर अंचलाधिकारी मनीष कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में खानपुर थाना क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं जनप्रतिनिधियों के साथ पूजा समिति के सदस्य शामिल थे। सर्वप्रथम अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष ने पूजा समिति के सदस्यों व गणमान्य लोगों के साथ उपस्थित जनप्रतिनिधियों के अभिनंदन के साथ बैठक शुरू की गई।

वही अंचलाधिकारी मनीष कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अगर समाज में नैतिकता कायम रखनी है तो सबसे पहले आपस में सहमति जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि पर्व हम सबको मिलकर आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पूजा समितियों व समाजसेवियों से कहा कि इस दुर्गा पूजा के अवसर पर भाईचारा बनाकर माँ जगदम्बा की पूजा अर्चना करना है। कुछ लोग अगर दुर्गा पूजा में हरकत करते हैं तो इसकी सूचना स्थानीय थाना को अवश्य दें। ताकि समय कारवाई हो सके। वही उन्होंने कहा कि अगर माँ दुर्गा पूजा में कहीं भी कोई भी लोग हुड़दंग करेंगे तो उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। वही शांति समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुये खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने कहा कि माँ दुर्गा की पूजा में किसी प्रकार का शांति व्यवस्था भंग करने वाले वैसे असामाजिक तत्वों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर दशहारा पूजा के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी करने की साजिश रची तो नहीं छोड़ेंगे। त्वरित कारवाई की जाएगी।

वही उन्होंने का की दशहरा पूजा के दौरान छोटी-छोटी बातों पर ध्यान ना दें। तथा माँ दुर्गा की पूजा में डीजे पर पूर्णत पाबंदी रहेगी। थाना क्षेत्र में डीजे बजाने की सूचना अगर मिला तो जप्त कर कारवाई की जायेगी। अफवाहों से बचें। पूजा में किसी भी प्रकार की घटना व दुर्घटना होती है तो इसकी सूचना तुरंत थाना को दें। ताकि उचित कारवाई हो सके। इस शांति समिति की बैठक के दौरान थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने कहा कि दशहरा पूजा में सभी लोगों में आपसी सामंजस होना जरूरी है। किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। वही शांति समिति की बैठक के दौरान थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने आगे कहा कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छा संबंध स्थापित करना जरूरी है। आम लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो उसका भी ध्यान रखा जाएगा।

वही थाना ध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने कहा कि थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था दुरुस्त रखना और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास को कायम रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दुर्गा-पूजा सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने की अपील किये। तथा अंचलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि माँ दुर्गा की पूजा अर्चना के लिये बने पंडाल में आग से बचाव का समुचित प्रबंध सुनिश्चित करना तथा प्रतिमा की सुरक्षा की जिम्मेवारी पूर्णतः लाइसेंसधारियों की होगी। पंडाल के आस-पास सीसीटीवी व्यवस्था करना, किसी भी धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना, प्रतिमा विसर्जन में डीजे बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। पूजा समिति विसर्जन के लिए निर्धारित रूट का ही इस्तेमाल करेंगे। लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने पर पूजा समितियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। वही अपराधियो पर खास नजर रहेगी। किसी भी तरह की असामान्य गतिविधियों तथा उपद्रवियों से निपटने के लिए सजग और सचेत रहने की जरूरत है। पूजा समिति के प्रतिनिधि ससमय पुलिस को सूचना देकर किसी भी बड़ी घटना को नियंत्रित करने में सहयोग करने की। इस दौरान चंद्रदीप थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने कहा कि दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने संवेदनशील और अति संवेदनशील जगहों को चिन्हित कर विधि व्यस्था बनाए रखने के लिए समुचित कदम उठाना उनकी प्राथमिकता होगी।

इस शांति समिति बैठक पर मौके पर पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, बीस सूत्री उपाध्यक्ष बमभोला सिंह, बीससूत्री अध्यक्ष रामनारायण सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय कुमार कुशवाहा, मुखिया महेश्वर राम, समाजसेवी नेता रविन्द्र राय, सीपीएम नेता प्रेमानन्द सिंह, भाजपा नेता सुरेश शर्मा सहित दर्जन समाजसेवी व पूजा समिति के सदस्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याण की मुहिम अनवरत जारी

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रारम्भ किए गए शहरी सेवा शिविर–2025 जनसेवा का पर्याय बन रहे हैं। 17 सितम्बर से प्रारम्भ हुए इन शिविरों में अब तक हजारों की संख्या में आमजन के प्रकरणों का निस्तारण कर त्वरित राहत पहुंचाई गई है।

प्रदेशभर में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले ये शिविर जनता की उम्मीदों को हकीकत में बदल रहे हैं। आमजन के लंबित प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करते हुए वन स्टॉप समाधान के रूप में कार्य कर रहे हैं। किसी भी व्यक्ति को अधिकृत सेवा और सुविधा के लिए इंतजार न करना पड़े, यह इन शिविरों के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के सतत पर्यवेक्षण के फलस्वरूप इन शिविरों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। अद्यतन प्रगति रिपोर्ट (सोमवार तक) के अनुसार इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के कुल 3 हजार 656 पट्टों का वितरण किया जा चुका है। इनमें धारा 69–ए के अन्तर्गत 290 परिवारों को पट्टे का वितरण तथा 237 अपंजीकृत पट्टों को पुर्नवैध कर उनका पंजीकरण किया गया है।

कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं में 2 हजार 121 लोगों के पट्टे स्वीकृत किए गए है। वहीं, निकाय, न्यास एवं प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं के अन्तर्गत 552 पट्टे जारी किए गए हैं। पूर्व में जारी पट्टों के समर्पण के बाद 63 नए पट्टे पुनः जारी किए गए और 203 प्रकरणों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड में परिवर्तित किया गया। साथ ही, 42 पट्टे स्टेट ग्रांट के तहत स्वीकृत हुए हैं। इन शिविरों के माध्यम से कच्ची बस्ती नियमन के तहत 148 बस्तियों को कानूनी पहचान प्रदान भी की गई।

यह अभियान केवल पट्टा वितरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नगरीय निकायों को स्वच्छ, सुगम और हरित बनाने की दिशा में अहम साबित हो रहा है। अब तक रहवासी क्षेत्रों में 16,525.5 किलोमीटर सड़कों और वाणिज्यिक क्षेत्रों में 12,023.15 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई है। सीवर कनेक्शन के 2 हजार 287 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं, वहीं जन्म–मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से जुड़े 17 हजार 593 प्रकरणों का निस्तारण भी हुआ है।

इन शिविरों में विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 358 और मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के 744 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही 19,797.85 मीटर क्षेत्र में नाला–नाली मरम्मत कार्य करवाए गए हैं। स्वच्छ और हरित नगरीय जीवन की ओर कदम बढ़ाते हुए अभियान के दौरान 11 हजार 661 पौधें भी लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सामाजिक सरोकारों से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रदेश में सामाजिक उत्थान और जनोपयोगी कार्यों की मुहिम चलाई है। श्री शर्मा के नेतृत्व में मिशन हरियालो राजस्थान, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, कर्मभूमि से मातृभूमि, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा जैसे नवाचार किए, जिसमें गांव–ढाणी से लेकर कस्बों तक सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार होने के साथ ही सुदृढ़ीकरण भी हुआ। अंत्योदय की संकल्पना को तेजी से धरातल पर साकार करने में इन नवाचारों ने अहम भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत आम के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर संचालित सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित किया गया।

श्री शर्मा ने कहा कि व्यक्ति को स्वस्थ रखने में पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए ताकि प्रदूषण में कमी आए और जैव विविधिता को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को हरा-भरा और खुशहाल प्रदेश बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत रूप से कार्य कर रही है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री श्री शर्मा की पहल पर राज्य सरकार ने प्रदेश में मिशन हरियालो राजस्थान की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। गत वर्ष इस अभियान के अन्तर्गत साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए गए थे। वहीं इस वर्ष लगभग साढ़े 11 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि सेवा पखवाड़ा के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेशभर में ग्रामीण सेवा शिविरों और शहरी सेवा शिविरों का वृहद् स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजन को त्वरित सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित करते हुए उनके प्रकरणों का निस्तारण किया जा रहा है। साथ ही, अंतिम पायदान के व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस पखवाड़े के दौरान प्रदेशभर में स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति, वृक्षारोपण जैसे जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तर पूर्वी जिला भाजपा दिल्ली प्रदेश प्रबुद्धजीवी सम्मेलन आयोजित कर हमने प्रबुद्ध जनों से बहुत कुछ सीखा: डॉ यूके चौधरी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला प्रबुद्धजीवी सम्मलेन का आयोजन बुराड़ी विधानसभा में आयोजित किया गया। जिले का यह आयोजन प्रबुद्ध नागरिकों की सहभागिता और उनके विचारों पर आधारित था।

इस सम्मलेन में राष्ट्रीय मंत्री और तमिलनाडु के प्रभारी अरविन्द मेनन अक्षय कपूर जिला अध्यक्ष डॉ यूके चौधरी, सिविल लाइन चेयरमैन गुलाब सिंह राठौर, दीपक त्यागी, मोहन गोयल, सागर त्यागी, जिला संयोजक रंजन त्यागी, सह संयोजक हितेंदर त्यागी, अनंत गोपाल, बिट्टू मोहित नागर, सौरभ चातक, मीडिया प्रभारी दीपक चौहान व समस्थ प्रबुद्ध जीवी उपस्थित रहे।

अरविन्द मेनन ने बताया सेवा पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक मनाया जाता है और हमारे प्रधानमंत्री अपना जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के रूप में मानते है। प्रबुद्ध वर्ग हमारे विकसित भारत के सपने को साकार करने में एक अहम भूमिका निभाएगा। समाज प्रबुद्ध लोगो से चलता। प्रबुद्धजीवी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के जीवन काल का भी पीपीटी के माध्यम से वर्णन किया गया। डॉ यू के चौधरी ने कहा कि विकास पर चर्चा नीतियों और भविष्य के लक्ष्यों पर बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा करना, जैसे कि 'विकसित भारत-विकसित दिल्ली 2047' विजन पर हुई चर्चा।

योजनाओं के बारे में जानकारी देना और उनके लाभों पर संवाद करना प्रबुद्धजीवी की प्रतिष्ठा का आधार होता है प्रतिष्ठित और प्रभावशाली लोगों के मार्गदर्शक पर सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श शिक्षा, रोजगार, आदि मुद्दों पर युवाओं को प्रसस्थ करना बुद्धिजीवी वर्ग का योगदान है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवरात्र स्थापना पर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को शारदीय नवरात्र स्थापना पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राज राजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की।

श्री शर्मा ने मां दुर्गा की आराधना करते हुए प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री जन–मन योजना से सहरिया समुदाय को मिला नव जीवन: राज्यपाल

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान कार्ड की सुविधाओं से जनजातीय समुदाय को नव जीवन मिला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय बहुल क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान उन्होंने आवास हितग्राहियों से चर्चा की है। सभी का कहना है कि उनके मकान पक्के होंगे, सोचा भी नहीं था। लोक शक्ति रथ के यात्रियों ने आयुष्मान भारत योजना को सभी के लिए जीवन दायिनी बताया है। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को मुरैना विकासखंड के ग्राम धनेला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने टीबी रोगियों से मुलाकात की और रोगियों को निक्षय मित्र के रूप में फलों की टोकरी भेंट की।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि युवा पीढ़ी को समाज सेवा के कार्यों में सहभागिता करनी चाहिए। वंचितों और गरीबों की सेवा के लिए अपना कर्तव्य समझकर आगे आना चाहिए। समाज की सेवा का सबसे प्रभावी तरीका शिक्षा है। शिक्षित युवाओं का आव्हान किया है कि सेवा पखवाड़े के दौरान सेवा के कार्यों में आगे बढ़कर सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि टी.बी. एक रोग मात्र है और नियमित दवाएं, उचित पोषण से मरीज 6 माह में ठीक हो सकते हैं। जरूरत रोग के बारे में सही जानकारी होने और उचित दवाएं लेने की है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा चलाए गए सेवा पखवाड़े के दौरान 2 अक्टूबर तक स्वास्थ्य शिविर लग रहे हैं। जाँच के साथ ही जरूरत के अनुसार दवाएं भी निःशुल्क दी जा रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा जनजातीय आबादी के कल्याण और विकास के लिए प्रदेश में धरती आबा योजना लागू की है। अत्यंत पिछड़े जनजातीय समूह बैगा, भारिया और सहरिया के विकास और कल्याण के लिए क्रांतिकारी पहल प्रधानमंत्री जन-मन योजना के द्वारा की गई है। योजना के लिए केन्द्र सरकार ने 24 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। जनजातीय बहनों, भाईयों के लिए विकास और कल्याण के सभी कार्य और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का क्रियान्वयन सुनियोजित तरीके से किया जाए। सबसे वंचित को सबसे पहले लाभान्वित करने के लिए प्राथमिकता निर्धारित कर हितग्राहियों को लाभान्वित करना चाहिए।

अमन कमेटी ककराला की नई पहल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। समाज में फैली हुई बुराइयाँ खासकर नौजवान नस्ल में नशाखोरी और शादी-बियाह में फुजूलखर्ची-को रोकने के लिए एक प्रभावी रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर अलीगढ़ से आए हकीम मौलाना अफरोज साहब राष्ट्रीय अध्यक्ष अजरो सवाब फाउंडेशन ग्रुप ने नशा मुक्ति और समाज की बुराइयों के खिलाफ बेहतरीन तकरीर पेश की।

रैली में निम्नलिखित गणमान्य लोगों ने शिरकत की: मौलाना मोहम्मद मिनहाज कासमी अध्यक्ष, जनाब फरहत सचिव, जनाब हाफि ज मोहम्मद रिजवान उप सचिव, मौलाना रफाकत साहब सक़लेनी, मौलाना सिद्दीक सरपरस्त अमन कमेटी, हाफिज आतिफ इमाम व खतीब मदीना मस्जिद ककराला, मौलाना आजम इमाम व खतीब मरकज इस्लामिया, कारी मुकद्दस, जनाब हकीम मौलाना अफरोज कासमी, मौलाना मोहम्मद नदीम सक़लेनी, जनाब शम्सुल हसन, भाई खालिद महमूद, जनाब साजिद ठेकेदार, सुमित अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, जुबैर रहमानी, अब्दुलवाहिद, मास्टर मोहम्मद मुस्लिम, डॉ. खालिद, मौलाना अब्दुल अजीम, मौलाना अरमगान, जनाब उस्मान गनी, हाफि ज एहतिशामुल हक, साथ ही तमाम मस्जिदों के इमाम साहबान, स्कूलों के बच्चे और ककराला के सभी सामाजिक एवं राजनीतिक लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अमन कमेटी ककराला ने इस अवसर पर समाज में जागरूकता फैलाने और सकारात्मक बदलाव की अपील की।

घटी जीएसटी, मिला बचत का मीठा उपहार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का स्वप्न केवल संकल्प नहीं, बल्कि जल्द ही साकार होने वाला यथार्थ है। इसके लिए देश के हर नागरिक को बराबर का सहयोगी और साथी बनना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी दरों में कटौती कर देशवासियों को बचत का मीठा उपहार दिया है। केंद्र सरकार की बचत संबंधी यह पहल देशवासियों को दीपावली की सौगात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल के ऐतिहासिक चौक बाजार में नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी के प्रचार कार्यक्रम "बचत उत्सव" के तहत व्यापारियों और आमजन से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवारा क्षेत्र की पुलिस चौकी से दीपाली साड़ी हाउस तक बाजार में पैदल भ्रमण कर दुकानों में जीएसटी बचत उत्सव के स्टीकर्स चिपकाए। दुकानदारों एवं ग्राहकों से आत्मीयतापूर्ण चर्चा की। जीएसटी दरों में कटौती होने से महिलाएं सबसे अधिक खुश नजर आईं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मिष्ठान खिलाकर अपनी खुशी जाहिर भी की। मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से स्वदेशी वस्त्रों और परिधानों की खरीददारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाजार में खरीददारी करने आए ग्राहकों और आमजनों से भी आत्मीय भेंट की। बाजार में पैदल भ्रमण एवं भेंट के दौरान दुकानदार और आमजन ने मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुकानों में व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि देशभर में लागू हुई नई जीएसटी कटौती दरें जनता के जीवन में बचत और समृद्धि लेकर आई हैं। उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्र के पहले दिन से शुरू हुआ यह कदम देशवासियों के लिए जीएसटी बचत उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मार्ग तभी प्रशस्त होगा, जब हम अपने स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह कदम आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक और दूरगामी पहल है, जो भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने व्यापारियों के साथ जीएसटी कटौती पर चर्चा की और उन्हें मिठाई खिलाकर जीएसटी बचत उत्सव की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चौक बाजार में विजयवर्गीय ज्वेलर्स पहुंचे। यहां प्रतिष्ठान स्वामी ने मिष्ठान खिलाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भ्रमण के दौरान मान्यवर, रिवाज, जानकी साड़ी, धरा ज्वेलर्स, सत्यम फैब्रिक्स ओर दीपाली साड़ी हाउस पहुंचे और सभी दुकानों में जीएसटी बचत उत्सव के स्टीकर्स चिपकाए। उन्होंने दुकान स्वामियों को जीएसटी की नई दरों के बारे में भी जानकारी दी।

शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा की साफ-सफाई व वृक्षारोपण कार्यक्रम

■ भाजपा अर्बन मंडल कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि, 11 पौधे लगाए

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत भाजपा अर्बन मंडल के कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना के नेतृत्व में शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा की साफ-सफाई की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर ग्रीन बैल्ट में 11 पौधे भी लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर रहे। उन्होंने भी शहीद ऊधम सिंह को नमन किया और वृक्षारोपण किया। अपने संबोधन में प्रवीण लाठर ने कहा कि वृक्षारोपण से अनेक लाभ मिलते हैं। पेड़ छाया और फल प्रदान करते हैं, पशुओं को आश्रय स्थल देते हैं तथा औषधियों का भी स्रोत होते हैं। मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना ने कहा कि पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखते हैं। वृक्षारोपण से हवा शुद्ध होगी, जलस्तर बढ़ेगा और धरती हरी-भरी बनेगी।

इस अवसर पर प्रभारी मदन गुज्जर, श्याम लाल कंबोज, कर्मवीर कंबोज, रामभज वर्मा, सोनिया कंबोज, अलका चौधरी, संजीव बजाज, राजेश गोयल, श्वेता मेहता समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेनिसिस समूह के संस्थापक जितेन्द्र सिंह को 'भारत के युवा उद्यमी' सम्मान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए जेनिसिस समूह संस्थानों और विद्यालयों के संस्थापक श्री जितेन्द्र सिंह को प्रतिष्ठित भारत के युवा उद्यमी सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय एकीकृत कलाकार एवं कार्यकर्ता मंच (निफा) के रजत जयंती समारोह में प्रख्यात लेखक, प्रेरक वक्ता और समाजसेवी शिव खेड़ा द्वारा प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार श्री जितेन्द्र सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय प्रयासों और समर्पण के लिए दिया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे चिकित्सा प्रवेश परीक्षा (नीट), संयुक्त प्रवेश परीक्षा-प्रारंभिक (जेईई-मेंस), संयुक्त प्रवेश परीक्षा-उन्नत (जेईई-एडवांस), साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी), राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) परीक्षा और विभिन्न ओलंपियाड की तैयारी में सफलता दिलाई है, बल्कि समाज में शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का भी कार्य किया है। उनके नेतृत्व में जेनिसिस कक्षाएं उत्तर भारत में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित हुई हैं।

वर्तमान में जेनिसिस संस्थान की शाखाएँ करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत, शामली और मुरादाबाद में संचालित हैं, जहाँ हजारों छात्र-छात्राएँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही करनाल में 28 एकड़ में करनाल अंतरराष्ट्रीय विद्यालय (लड़कों का आवासीय विद्यालय), 13 एकड़ में जेनिसिस अंतरराष्ट्रीय विद्यालय (बालिकाओं का आवासीय विद्यालय) और द जेनिसिस विद्यालय (सहशिक्षा दिवस विद्यालय) शिक्षा का नया अध्याय रच रहे हैं। संस्थान द्वारा जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना भी समाजसेवा का सराहनीय प्रयास है।

यह उपलब्धि न केवल जेनिसिस परिवार के लिए, बल्कि करनाल सहित पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। श्री जितेन्द्र सिंह की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जो दर्शाती है कि समर्पण और दृढ़ संकल्प से शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए जा सकते हैं।

राजौंद में बीपीएल राशन कार्ड उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा राशन!

■ बीपीएल राशन कार्ड उपभोक्ताओं में भारी उदासिनता

एसबी ब्यूरो

राजौंद। राजौंद में बीपीएल राशन कार्ड उपभोक्ताओं को राशन प्राप्त करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि लोग घंटो तक लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ ही घरों को लोट रहें। जिससे लोगों में मशीनों के सिस्टम को लेकर भारी नाराजगी है।

पात्र नागरिकों का कहना है कि उन्होने डिपो से राशन लेने के चक्कर में घर के अन्य काम छोड़ने पड़ रहें। जब इस बारे में एक डिपो होल्डर से बात की गई उन्होने कहा कि बायोमेट्रिक मशीन की केवाईसी ना होने के कारण राशन नहीं चढ़ पाया। जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। फूड सप्लाई इंस्पेक्टर विनोद कुमार से बात की गई तो उन्होने कहा कि मशीनों के साफटवेयर में कमी के कारण राशन नहीं चढ़ पाया, जिससे मशीने काम नहीं कर रही हैं। जल्द ही इस कमी को पूरा कर दिया जाएगा। बताया गया कि जिन लोगों को इस बार राशन नहीं मिलेगा, उन लोगों को अगले महीने राशन दे दिया जाएगा। बीपीएल राशन कार्ड उपभोक्ताओं को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। पात्र परिवारों की विभाग हर सम्भव मदद करेगा।

■ मशीनों के सॉफ्टवेयर में कमी के कारण राशन नहीं चढ़ पाया, जिससे मशीने काम नहीं कर रही हैं: फूड सप्लाई इंस्पेक्टर विनोद कुमार

जीएसटी सलैब में संशोधन करके देश की जनता को दी बड़ी राहत: विपुल गोयल

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। वैश्य भवन चैरिटेल ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन भवन, सेक्टर-8, करनाल में श्री महाराजा अग्रसेन जयंती एवं प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा के राजस्व, उड्डयन, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य भवन चैरिटेल ट्रस्ट के प्रधान और प्रसिद्ध उद्योगपति शम्मी बंसल ने की। कार्यक्रम में करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, महापौर रेनू बाला गुप्ता, समाज सेवी अनिल गर्ग व दीपक गुप्ता विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण किया और अपने ऐच्छिक कोष से 21 लाख रुपए की राशि अग्रसेन भवन के लिए देने की घोषणा की।

जयंती समारोह में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कार्यक्रम में उपस्थित वैश्य समाज के बंधुओं को महाराजा अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं एवं बधाई दी और कहा कि आज का दिन महाराजा अग्रसेन जयंती और व्यापार की दृष्टि से ऐतिहासिक दिन है। क्योंकि हरियाणा सरकार ने पहली बार महाराजा अग्रसेन जयंती सरकारी तौर पर मनाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया। वहीं दूसरी ओर व्यापार की दृष्टि से भी आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रथम नवरात्र के दिन से जीएसटी की स्लैब में संशोधन करके देश की जनता को बड़ी राहत पहुंचाने का कार्य किया है। इससे रोजमर्रा की अधिकांश चीजे जीएसटी से मुक्त हो चुकी है और कुछ चीजों पर केवल 5 प्रतिशत व 18 प्रतिशत जीएसटी ही लगेगा। इससे व्यापारियों को भी राहत मिली है।

इस अवसर पर वैश्य भवन चैरिटेबल ट्रस्ट के महासचिव श्री एस.एल. नोहरिया, पी.के. जैन,कोषाध्यक्ष बृज गर्ग सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

यातायात नियमों का पालन करें सभी जिलावासी: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

डीसी प्रीति ने कहा कि स्कूलों, कालेजों के साथ-साथ आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्हें बताया जाए कि यदि हम नियमों का सही पालन नहीं करेंगे तो उनकी स्वयं की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है, वहीं समाज के अन्य लोगों को भी काफी प्रभावित करती है। हमें ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना चाहिए, ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाएं, जेब्रा क्रासिंग का सही उपयोग करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, सीट बेल्ट लगाए, सड़क पर लगे संकेतों का पालन करें, धीमी गति के संकेत को गंभीरता से लें। यातायात पुलिस लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह हमारी और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है। डीसी ने कहा कि अभिभावक भी यह सुनिश्चित करें कि उनके नाबालिग बच्चे वाहन न चलाएं। ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग भी अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता से निभाएं।

उपायुक्त कैथल प्रीति।

केंद्र और प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चल रही है: नायब सिंह सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चल कर "सबका साथ, सबका विकास" की नीति पर चल रही है। जिस प्रकार से महाराजा अग्रसेन अपने राज्य में बसने वाले हर व्यक्ति को एक ईंट और एक सोने की मोहर भेंट कर सहयोग करते थे, उनकी इसी समावेशी और दूरगामी सोच को आधार बनाकर सरकार अपनी योजनाओं से प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री पंचकूला में हरियाणा सरकार की "संत महापुरुष सम्मान एवं विचार -प्रसार योजना" के अंतर्गत आयोजित "महाराजा अग्रसेन जयंती" में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सर्वप्रथम लोगों को शरदीय नवरात्रों की बधाई दी और महाराजा अग्रसेन को नमन किया। उन्होंने अग्रवाल समाज के गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि यह समाज सदैव देश व समाज के लिए और उससे भी बढ़कर सम्पूर्ण मानवता के लिए महान सेवाएं प्रदान करता रहा है। उन्होंने समाज के कई महापुरुषों का नाम लेते हुए कहा कि जिस क्षेत्र पर नजर डालें, हर क्षेत्र में अग्रवाल समुदाय के लोगों की भूमिका देखने को मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज मुख्यतः व्यापार और उद्योग से जुड़ा है। हरियाणा सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में उद्योग और व्यापार के अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार की नीतियों के कारण हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए 'हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड' का गठन किया है। हमने हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों और सिद्धांतों को याद रखें। उन्होंने बताया कि आज नवरात्रों से देशभर में जीएसटी में हुए सुधारों को लागु किया जा रहा है, इससे व्यापारी वर्ग में विशेष उत्साह है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इन सुधारों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अग्रवाल समाज द्वारा एक धन्यवाद पत्र भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि व्यापारियों के लिए ई-रिफंड की ऑनलाइन सुविधा शुरू की है। कराधान के क्षेत्र में ई-पंजीकरण, कर की ई-अदायगी एवं रिटर्न की ई-फाइलिंग, ई-निविदा और सी-फार्म जारी करने की ऑनलाइन सुविधा शुरू की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना' के तहत 20 साल से अधिक समय से किराये या लीज अथवा लाइसेंस फीस पर चल रही पालिकाओं की दुकानों व मकानों की मलकीयत उन पर काबिज व्यक्तियों को दी हैं। व्यापारियों की सुविधा हेतु माल के अंतर्राज्यीय आवागमन के लिए 'ई-वे बिल योजना' शुरू की है। 'प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मान धन योजना' के तहत खुदरा विक्रेताओं और दुकानदारों के लिए 60 वर्ष की आयु होने पर 3 हजार रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन सुनिश्चित की है। श्री नायब सिंह सैनी ने उद्योगपतियों की सुविधा के लिए लागू की जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि लघु व मध्यम व्यापारियों के कल्याण के लिए अलग से 'एम.एस.एम.ई.' विभाग का गठन किया गया है।

'नशा मुक्त अभियान तहत आमजन को जागरूक करने सहित नशा तस्करों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई'

■ नशा तस्करों की असली जगह जेल, आमजन तस्करों की सूचना पुलिस को दें: डीएसपी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला पुलिस द्वारा लगातार नशा मुक्त जिला मुहिम चलाई जा रही है। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने कहा कि कैथल पुलिस द्वारा आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करने के साथ साथ नशा तस्करों पर भी कड़ी कार्रवाई करके सलाखो पीछे जाएगा। डीएसपी ने कहा कि सभी थाना प्रबंधको व सीआईए पुलिस को निर्देश दिए हैं कि नशा तस्करी में संलिप्त लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाने का है। परंतु इस मुहिम में जन सहयोग की आवश्यकता है। आमजन बिना किसी डर भय के नशा तस्करों की सूचना पुलिस को दें, पुलिस द्वारा कार्रवाई करके तस्कर को सलाखों पीछे भेजा जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

पुलिस की जागरूकता टीम गांव गांव जाकर विभिन्न प्रोग्राम आयोजित करके लगातार आमजन को नशा के दुष्प्रभाव बताते हुए नशा ना करने बारे जागरूक कर रही है। डीएसपी ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। नशा शौक से शुरू होकर मौत तक ले जाता है। इससे कई तरह की गंभीर बीमारियां होती है। इससे हमारा परिवार भी परेशान होता है। बीमारी के इलाज में बड़ी रकम खर्च होती है। नशा करने से समाज में इज्जत भी नहीं रहती।

जीवन में किसी लक्ष्य को प्राप्त करना है तो सबसे पहले नशे से दूर रहना होगा। नशे से दूर रहेंगे तो जीवन में हर वो लक्ष्य पा सकते है जिसकी हम कल्पना करते है। अगर कोई व्यक्ति नशे की लत से छुटकारा पाना चाहता है तो सरकारी हस्पताल में अपना इलाज शुरू करवाकर इससे निजात पा सकता है। इसके साथ साथ ग्राम पंचायत अपने स्तर खेल प्रतियोगिताएं करवाकर युवाओं को खेलों में रुचि लेने बारे प्रेरित करें।

नशा ना करने बारे जागरूक करती पुलिस टीम। (छाया: एसबी)

स्विफ्ट गाड़ी चोरी करने के मामले में सीआईए-1 पुलिस द्वारा पांचवां आरोपी गिरफ्तार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। कैथल पुलिस द्वारा वाहन चोरी के मामले में अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में कैथल से एक स्विफ्ट गाड़ी चोरी करने के मामले की जांच सीआईए-1 प्रभारी एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई बिजेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी मॉडल टाउन रामगढ़ सरधाना पंजाब निवासी अमरीक को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि माडल टाऊन कैथल निवासी अंकुर मित्तल की शिकायत अनुसार 2 जनवरी 2024 की रात को उसने उसकी स्विफ्ट गाड़ी को घर के सामने खड़ी की थी। जो उसने 2 बजे अपनी गाड़ी को संभाला तो वहां गाड़ी नहीं मिली, जिसे अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गए। जिस बारे थाना शहर में मामला दर्ज किया गया था। सीआईए-1 पुलिस द्वारा उक्त मामले में पहले ही 4 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उक्त आरोपी किसी अन्य मामले में फरीदकोट पंजाब जेल में बंद था, जिसकी उक्त मामले में गिरफ्तारी के लिए माननीय न्यायालय की मार्फत प्रोडक्शन वारंट जारी करवाए गए थे। आरोपी के कब्जे से गाड़ी काटने में प्रयुक्त गैस कटर बरामद किया गया हैं। आरोपियों द्वारा गाड़ी को काटकर स्क्रैप में बेच दिया गया था। उक्त मामले में पुलिस द्वारा इससे पूर्व 4 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है। आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

स्विफ्ट गाड़ी चोरी करने के मामले में आरोपी पुलिस गिरफ्त में। (छाया: एसबी)

किसानों को स्वयं कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण व मार्केटिंग करने के लिए किया प्रेरित

■ बीपीएल राशन कार्ड उपभोक्ताओ

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जरूरी है कि वे केवल उपज बेचने तक सीमित न रहें, बल्कि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण और मार्केटिंग भी स्वयं करें। इसी संदेश के साथ सोमवार को करनाल के सेक्टर-12 स्थित जाट भवन में एचएफपीसी फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑगेनाइजेशन ऑफ इंडिया (एफपीओ) किसान समूह की 10वीं वार्षिक बैठक आयोजित हुई।

बैठक में कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने किसानों को नई तकनीक, वैल्यू एडिशन और बाजार से सीधे जुड़ने की दिशा में मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान करनाल के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शिवकुमार यादव, भारतीय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. गुरबचन सिंह, गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल के पूर्व निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह, नाबार्ड के एजीएम हिमांशु खत्री, भारतीय चावल निर्यातक संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सेतिया, एफपीओ अध्यक्ष डॉ. डी.एस. मलिक सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

■ करनाल में एफपीओ की 10वीं वार्षिक बैठक, विशेषज्ञ बोले-किसान अब बिजनेसमैन बनें

नाबार्ड के एजीएम हिमांशु खत्री ने बताया कि करनाल में वर्ष 2016 में इस एफपीओ की स्थापना हुई थी और अब तक इसमें 718 किसान जुड़ चुके हैं। हरियाणा के एफपीओ नेटवर्क में करीब 50 हजार किसान सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसानों को समूह बनाकर आत्मनिर्भर बनाना सरकार का उद्देश्य है। किसानों को उत्पादक ही नहीं, बल्कि सफल बिजनेसमैन की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने फसल विविधीकरण, कम पानी वाली फसलें अपनाने और माइक्रो इरीगेशन को समय की जरूरत बताया।

राष्ट्रपति अवार्डी प्रगतिशील किसान धर्मबीर काम्बोज दामला ने कहा कि किसान से बड़ा कोई कलाकार नहीं। यदि किसान उपज को प्रसंस्कृत कर बेचें तो उन्हें कई गुना लाभ मिलेगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि गाय का दूध 40 रुपये लीटर बिकता है, जबकि गाजर का हलवा 400 रुपये किलो बिकता है। इसी तरह लहसुन की पत्तियों और भिंडी को सुखाकर सूप बनाया जा सकता है, पालक का रेडीमेड पाउडर और हर्बल-मसाला उत्पाद तैयार कर बाजार में बेचे जा सकते हैं।

उन्होंने किसानों से झिझक छोड़कर आगे आने का आह्वान किया और कहा कि कृषि उत्पादों की वैल्यू एडिशन से ही असली आमदनी संभव है। धर्मबीर काम्बोज ने स्वयं द्वारा विकसित प्रोसेसिंग मशीनरी के बारे में जानकारी दी और किसानों को अपने फार्म पर प्रशिक्षण देने का वादा भी किया। उन्होंने किसानों को कृषि मशीनरी निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बैठक का मुख्य संदेश यही रहा कि किसानों की वास्तविक आय तभी बढ़ेगी जब वे उपज को केवल बेचने की बजाय उसका प्रसंस्करण और मार्केटिंग करेंगे।